चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 11 अप्रैल 2026, अंक –256.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

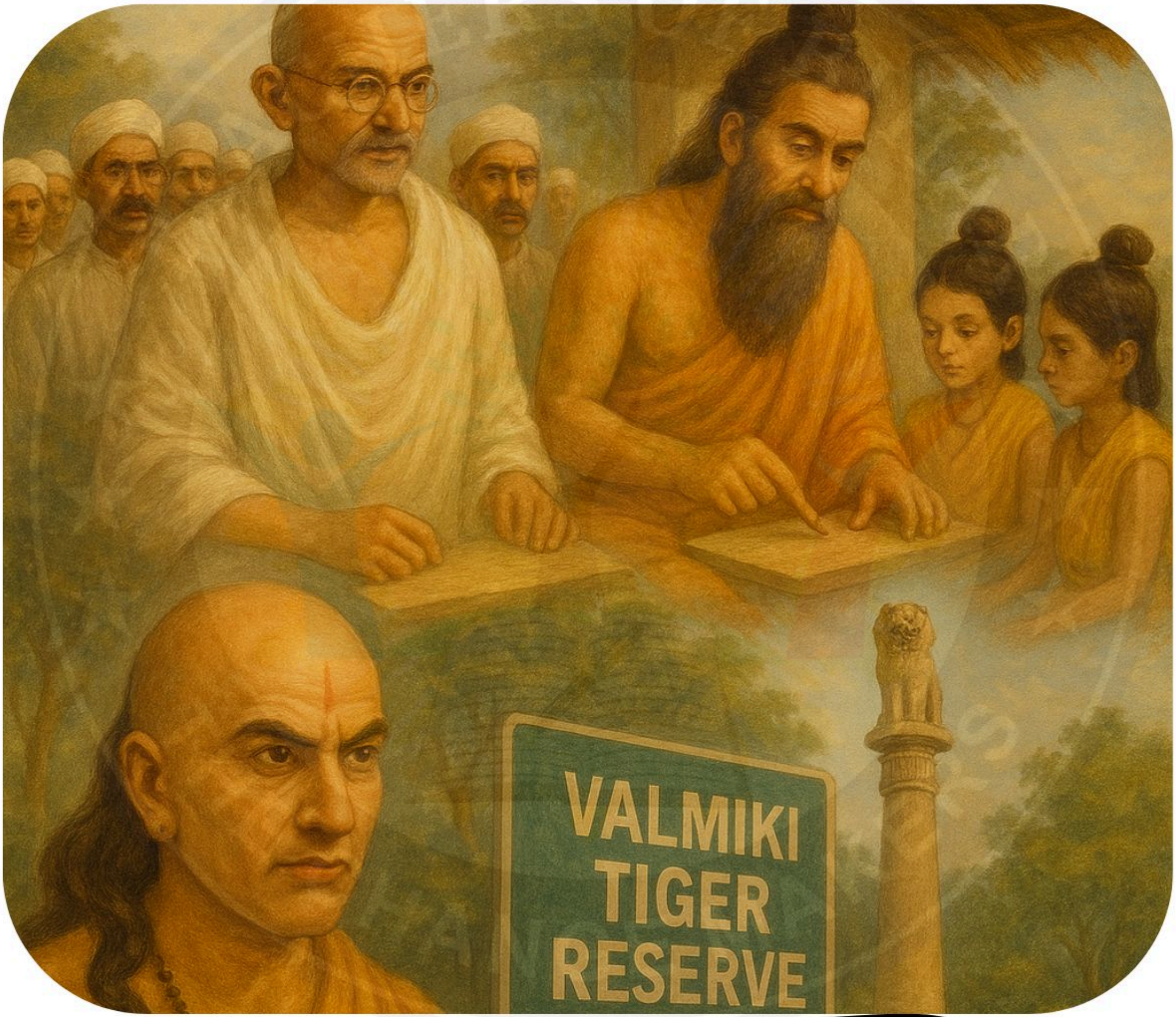

"विश्वास वह शक्ति है जो असंभव को संभव करती है।"
— हेलन केलर

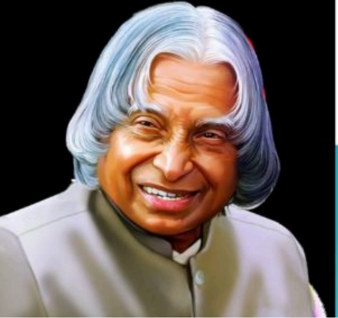

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Saturday Prayer

बिहार राज्य प्रार्थना:

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे,
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे।

वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की,
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे।

मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक,
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे।

इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ,
हौसला ऐसा हीं दे गंग जमन नाज करे।

आधे रस्ते पे न रूक जाये मुसाफिर के कदम,
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे।

दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार,
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे।

जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय
बिहार...!

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1: 'रूस' (Russia) देश की संसद का क्या नाम है?
उत्तर: ड्यूमा (Duma)
प्रश्न 2: माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली पहली भारतीय महिला कौन थीं?
उत्तर: बछेंद्री पाल
प्रश्न 3: 'कुचिपुड़ी' और 'भरतनाट्यम' के बाद, 'कथक' किस क्षेत्र का प्रसिद्ध शास्त्रीय नृत्य है?
उत्तर: उत्तर भारत (मुख्यतः उत्तर प्रदेश)
प्रश्न 4: एक 'लीप' (Leap) वर्ष में फरवरी का महीना कितने दिनों का होता है?
उत्तर: 29 दिन
प्रश्न 5: बिहार के किस जिले में प्रसिद्ध 'महाबोधि मंदिर' स्थित है?
उत्तर: गया (बोधगया)
प्रश्न 6: भारत का 'राष्ट्रीय विरासत पशु' (National Heritage Animal) किसे घोषित किया गया है?
उत्तर: हाथी
प्रश्न 7: 'रेफ्रिजरेटर' (फ्रिज) का आविष्कार किसने किया था?
उत्तर: विलियम कलन (ओलिंपिक इवांस ने इसे विकसित किया था)
प्रश्न 8: भारत के वर्तमान 'रक्षा मंत्री' कौन हैं?
उत्तर: श्री राजनाथ सिंह
प्रश्न 9: 'लंबोदर' (लंबा है उदर जिसका अर्थात् गणेश) में कौन सा समास है?
उत्तर: बहुव्रीहि समास
प्रश्न 10: मानव शरीर की सबसे बड़ी ग्रंथि (Gland) कौन सी है?
उत्तर: यकृत (Liver)

संकलन:-
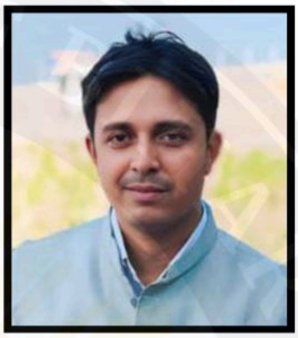
पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1. Go – (गो) – जाना
2. Come – (कम) – आना
3. Eat – (ईट) – खाना
4. Drink – (ड्रिंक) – पीना
5. Sleep – (स्लीप) – सोना
6. Sit – (सिट) – बैठना
7. Stand – (स्टैण्ड) – खड़ा होना

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: “क्या हम ... हैं?” (Are we ...?)

क्या हम खुश हैं? – Are we happy?
क्या हम ठीक हैं? – Are we fine?
क्या हम तैयार हैं? – Are we ready?
क्या हम व्यस्त हैं? – Are we busy?
क्या हम सुरक्षित हैं? – Are we safe?

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटोहां
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. आज 11 अप्रैल को भारत में 'मातृ स्वास्थ्य' और 'सुरक्षित प्रसव' के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु कौन सा राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है? (दिवस ज्ञान)
उत्तर: राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस (National Safe Motherhood Day)
व्याख्या: कस्तूरबा गांधी की जयंती के अवसर पर हर साल 11 अप्रैल को यह दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को उचित स्वास्थ्य देखभाल, प्रसव पूर्व और प्रसवोत्तर सेवाओं के बारे में जागरूक करना है ताकि मातृ मृत्यु दर में कमी लाई जा सके। स्वस्थ माँ ही एक स्वस्थ राष्ट्र का आधार होती है।
संदर्भ: भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (2026)।

2. हाल ही में 'बिहार सरकार' ने किस जिले में 'राज्य का सबसे बड़ा एथेनॉल उत्पादन संयंत्र' (Ethanol Production Plant) के विस्तार को मंजूरी दी है? (समसामयिकी)
उत्तर: भोजपुर (आरा)
व्याख्या: बिहार में औद्योगिक क्रांति और हरित ईंधन को बढ़ावा देने के लिए भोजपुर जिले में एशिया के बड़े एथेनॉल संयंत्रों में से एक का विस्तार किया जा रहा है। यह मक्का और टूटे चावल जैसे कृषि उत्पादों से एथेनॉल बनाकर किसानों की आय बढ़ाने और रोजगार सृजन में बड़ी भूमिका निभा रहा है।
संदर्भ: उद्योग विभाग, बिहार सरकार (अप्रैल 2026)।

3. "The India Way" पुस्तक के लेखक कौन हैं? (पुस्तक-लेखक)
उत्तर: एस जयशंकर
व्याख्या: Subrahmanyam Jaishankar द्वारा लिखित "The India Way" भारत की विदेश नीति, कूटनीति और वैश्विक रणनीति पर आधारित है। यह पुस्तक बताती है कि भारत कैसे बदलते वैश्विक परिदृश्य में अपने हितों को संतुलित करता है और रणनीतिक निर्णय लेता है।
संदर्भ: HarperCollins India

4. 'पारिस्थितिकी तंत्र' में वे जीव जो दूसरे जीवों (शिकार) को मारकर अपना भोजन प्राप्त करते हैं, क्या कहलाते हैं? (पर्यावरण)
उत्तर: द्वितीयक या तृतीयक उपभोक्ता (मांसाहारी)
व्याख्या: खाद्य श्रृंखला में शाकाहारी जीवों को खाने वाले जीव 'मांसाहारी' कहलाते हैं। ये जीव ऊर्जा के ऊंचे पोषण स्तर पर होते हैं। उदाहरण के लिए, घास को टिड्डा खाता है (प्राथमिक उपभोक्ता) और टिड्डे को मेंढक (द्वितीयक उपभोक्ता)। यह पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने के लिए अनिवार्य है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 10 विज्ञान, अध्याय 15 (हमारा पर्यावरण), पृष्ठ 258।

5. प्राचीन भारतीय इतिहास के संदर्भ में 'बुर्जहोम' (वर्तमान कश्मीर) नामक पुरास्थल क्यों प्रसिद्ध है? (इतिहास)
उत्तर: गर्त-वास (Pit-houses) के लिए
व्याख्या: बुर्जहोम में लोग जमीन के नीचे गड्ढे बनाकर रहते थे, जिन्हें 'गर्त-वास' कहा जाता है। इनमें उतरने के लिए सीढ़ियाँ होती थीं। यहाँ से पत्थर के औजार और हड्डियों के उपकरण भी मिले हैं। यह नवपाषाण काल के लोगों की उन्नत जीवन शैली और मौसम से बचाव की तकनीक को दर्शाता है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 6 इतिहास, अध्याय 2, पृष्ठ 13।

6. भारत की स्थलीय सीमा कितने पड़ोसी देशों को स्पर्श करती है? (भूगोल)
उत्तर: सात (7)
व्याख्या: भारत अपनी स्थलीय सीमा उत्तर-पश्चिम में पाकिस्तान और अफगानिस्तान, उत्तर में चीन, नेपाल और भूटान तथा पूर्व में म्यांमार और बांग्लादेश के साथ साझा करता है। मानचित्र पर इन देशों की स्थिति और उनके साथ लगने वाली सीमाओं की जानकारी सामरिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 9 भूगोल, अध्याय 1 (भारत - आकार और स्थिति), पृष्ठ 5।

7. भारतीय संविधान में 'धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार' किन अनुच्छेदों के अंतर्गत प्रदान किया गया है? (संविधान)
उत्तर: अनुच्छेद 25 से 28
व्याख्या: ये अनुच्छेद सभी नागरिकों को अपने धर्म को मानने, आचरण करने और प्रचार करने की स्वतंत्रता देते हैं। संविधान यह भी सुनिश्चित करता है कि राज्य किसी भी धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं करेगा। यह भारत की 'धर्मनिरपेक्ष' छवि को सुदृढ़ करने वाला एक मौलिक अधिकार है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 11 राजनीति विज्ञान, अध्याय 2, पृष्ठ 38।

8. वैसी रासायनिक अभिक्रिया जिसमें एक जटिल पदार्थ टूटकर दो या दो से अधिक 'सरल पदार्थ' बनाता है, क्या कहलाती है? (विज्ञान)
उत्तर: वियोजन या अपघटन अभिक्रिया (Decomposition Reaction)
व्याख्या: यह संयोजन अभिक्रिया के ठीक विपरीत होती है। इसमें ऊष्मा, प्रकाश या विद्युत की मदद से एक अभिकारक को छोटे टुकड़ों में तोड़ा जाता है। जैसे—कैल्शियम कार्बोनेट (चूना पत्थर) को गर्म करने पर वह कैल्शियम ऑक्साइड और कार्बन डाइऑक्साइड में बदल जाता है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 10 विज्ञान, अध्याय 1, पृष्ठ 8।

9. प्रसिद्ध 'दिलवाड़ा जैन मंदिर' (माउंट आबू) किस सामग्री से बना है और अपनी किस कलाकारी के लिए विख्यात है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: सफेद संगमरमर (नक्काशी के लिए)
व्याख्या: राजस्थान में अरावली पहाड़ियों पर स्थित ये मंदिर 11वीं से 13वीं शताब्दी के बीच बनाए गए थे। इनके गुंबदों और खंभों पर संगमरमर की बारीक और जालीदार नक्काशी भारतीय मूर्तिकला का अद्भुत प्रमाण है। यह जैन धर्म की सांस्कृतिक और कलात्मक समृद्धि का प्रतीक है।
संदर्भ: NCERT कक्षा 11 (Fine Arts) भारतीय कला का परिचय, अध्याय 6।

10. बिहार के किस जिले में 'बापू टावर' (Bapu Tower) का निर्माण किया गया है, जो गांधीजी के विचारों को समर्पित एक भव्य संग्रहालय है? (बिहार GK)
उत्तर: पटना (गर्दनीबाग)
व्याख्या: पटना के गर्दनीबाग में स्थित बापू टावर गांधीजी के जीवन, बिहार में उनके चम्पारण सत्याग्रह और उनके दर्शन को तकनीक के माध्यम से प्रदर्शित करता है। यह छह मंजिला भव्य स्मारक राज्य में ऐतिहासिक पर्यटन और शिक्षा का एक नया केंद्र बन गया है।
संदर्भ: बिहार पर्यटन विभाग; बिहार आर्थिक सर्वेक्षण।

"सामान्य-ज्ञान"

11. सुरक्षित शनिवार (अप्रैल W2): विद्यालय में 'हजार्ड हंट' (जोखिमों की पहचान) करने के बाद किनकी सहायता से 'विद्यालय आपदा प्रबंधन योजना' (SDMP) तैयार की जाती है? (विद्यालय सुरक्षा)
उत्तर: बाल प्रेरकों एवं विद्यालय सुरक्षा समिति द्वारा
व्याख्या: आपदा कैलेण्डर 2026 (अप्रैल W2) के अनुसार, विद्यालय के प्रत्येक वर्ग से 'बाल प्रेरकों' का चयन किया जाता है। ये छात्र फोकल शिक्षक के साथ मिलकर विद्यालय के असुरक्षित बिंदुओं (Hazard Hunt) को चिह्नित करते हैं और फिर विद्यालय शिक्षा समिति के साथ चर्चा कर आपदा प्रबंधन योजना का निर्माण या पुनर्गठन करते हैं।
संदर्भ: मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम एवं सुरक्षित शनिवार वार्षिक सारणी।

12. 5, 11, 23, 47, ? — दी गई श्रेणी में रिक्त स्थान पर कौन सी संख्या आएगी? (मानसिक योग्यता)
उत्तर: 95
व्याख्या: इस श्रेणी में प्रत्येक अगली संख्या पिछली संख्या के दोगुने से एक अधिक है:

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Prudent (प्रूडेंट) = Wise / Careful (समझदार / सावधान)
🔁 Antonym – Foolish (फूलिश) = मूर्ख
Quaint (क्वेंट) = Strange but Attractive (अनोखा लेकिन आकर्षक)
🔁 Antonym – Ordinary (ऑर्डिनरी) = साधारण
Resilient (रिज़िलिएंट) = Strong / Able to recover (लचीला / जल्दी संभलने वाला)
🔁 Antonym – Fragile (फ्रैजाइल) = कमजोर
Scarce (स्कार्स) = Rare / Limited (दुर्लभ / कम)
🔁 Antonym – Abundant (अबन्डेंट) = प्रचुर
Trivial (ट्रिवियल) = Unimportant (तुच्छ / महत्वहीन)
🔁 Antonym – Important (इम्पोर्टेंट) = महत्वपूर्ण

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

NCERT launches revised curriculum framework for Classes 6-12 emphasizing AI, climate science; aims to integrate emerging technologies for competitive exams like JEE, NEET.
एनसीईआरटी ने कक्षा 6-12 के लिए संशोधित पाठ्यक्रम ढांचा लॉन्च किया, जिसमें AI, जलवायु विज्ञान पर जोर; JEE, NEET जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उभरती तकनीकों का एकीकरण।

Government announces Padma Awards 2026 recipients; 12 scientists, educators recognized for contributions in quantum research and digital education reforms.
सरकार ने पद्म पुरस्कार 2026 के प्राप्तकर्ताओं की घोषणा की; 12 वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों को क्वांटम अनुसंधान और डिजिटल शिक्षा सुधारों के लिए सम्मानित किया।

ISRO successfully tests indigenous cryogenic engine for next-gen launch vehicle; boosts India's space ambitions amid Gaganyaan mission preparations.
इसरो ने नेक्स्ट-जेन लॉन्च वाहन के लिए स्वदेशी क्रायोजेनिक इंजन का सफल परीक्षण किया; गगनयान मिशन की तैयारियों के बीच भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं को बल।

INTERNATIONAL NEWS

Nobel Prize in Physics 2026 awarded to team for breakthrough in quantum entanglement research; implications for secure global communications highlighted by BBC.
भौतिकी में नोबेल पुरस्कार 2026 क्वांटम उलझाव अनुसंधान में सफलता के लिए टीम को; BBC ने वैश्विक सुरक्षित संचार पर प्रभाव रेखांकित किया।

UNESCO declares new global education initiative with focus on AI literacy; partners with India for teacher training programs in developing nations.
यूनेस्को ने AI साक्षरता पर फोकस के साथ नई वैश्विक शिक्षा पहल घोषित की; विकासशील देशों में शिक्षक प्रशिक्षण के लिए भारत के साथ साझेदारी।

UK-based SCERT equivalent launches open-source digital textbooks; BBC reports on free access for global students preparing for international exams.
यूके में SCERT समकक्ष ने ओपन-सोर्स डिजिटल पाठ्यपुस्तकें लॉन्च कीं; BBC ने अंतरराष्ट्रीय परीक्षाओं की तैयारी करने वाले वैश्विक छात्रों के लिए मुफ्त पहुंच की रिपोर्ट की।

BIHAR NEWS

Bihar SCERT introduces new teacher training modules on EV technology and green energy; targets 50,000 educators for state board exam alignment.
बिहार SCERT ने EV तकनीक और हरित ऊर्जा पर नई शिक्षक प्रशिक्षण मॉड्यूल शुरू किए; राज्य बोर्ड परीक्षा संरेखण के लिए 50,000 शिक्षकों को लक्षित।

Patna University awards research grants to 20 scholars in education tech; CM Nitish Kumar hails initiative for boosting competitive exam prep in Bihar.
पटना विश्वविद्यालय ने शिक्षा तकनीक में 20 विद्वानों को अनुसंधान अनुदान दिए; सीएम नीतीश कुमार ने बिहार में प्रतियोगी परीक्षा तैयारी बढ़ाने वाली पहल का स्वागत किया।

SPORTS NEWS

IPL 2026: Mumbai Indians defeat Chennai Super Kings in thriller; Rohit Sharma's century sets new record for Indian captains in league history.
आईपीएल 2026: मुंबई इंडियंस ने चेन्नई सुपर किंग्स को रोमांचक मुकाबले में हराया; रोहित शर्मा का शतक लीग इतिहास में भारतीय कप्तानों के लिए नया रिकॉर्ड।

Indian cricketer Shubman Gill receives ICC Emerging Player Award shortlist nod; highlights consistent T20 performances amid global recognition.
भारतीय क्रिकेटर शुभमन गिल को ICC उभरते खिलाड़ी पुरस्कार की शॉर्टलिस्ट में नामांकन; वैश्विक मान्यता के बीच लगातार T20 प्रदर्शन पर प्रकाश।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

✍️ संदेश:

"करेंट अफेयर्स का नियमित अध्ययन ही प्रतियोगी सफलता की सबसे मजबूत नींव है।"

प्रेरक बाल एकांकी
"हजार्ड हंट" (Hazard Hunt)
(सुरक्षित शनिवार विशेष)

पात्र: मैडम जी, अंश, सीमा, रवि, अन्य छात्र
दृश्य: विद्यालय परिसर

मैडम जी: बच्चों, आज "सुरक्षित शनिवार" के अंतर्गत हम एक महत्वपूर्ण गतिविधि करेंगे—हजार्ड हंट।

हजार्ड हंट का मतलब है—अपने आस-पास मौजूद खतरों और जोखिमों की पहचान करना, ताकि हम उनसे बच सकें।

अंश: मैडम जी, क्या हम पूरे स्कूल में घूमकर ऐसे खतरों को ढूँढेंगे?

मैडम जी: हाँ, और उन्हें नोट भी करेंगे, ताकि समय पर सुधार किया जा सके।

(सभी छात्र समूह बनाकर परिसर का निरीक्षण करते हैं)

सीमा: देखो, यहाँ फर्श गीला है—कोई भी फिसल सकता है।

रवि: यहाँ छत का प्लास्टर टूटा हुआ है, गिर सकता है।

अंश: बाउंड्री वाल भी कमजोर है, यह भी खतरनाक है।

सीमा: पीछे जंगल-झाड़ी है, वहाँ से साँप या कीड़े आ सकते हैं।

रवि: और पास का तालाब भी सावधानी न बरतने पर खतरा बन सकता है।

(सभी छात्र वापस मैडम जी के पास आते हैं)

मैडम जी: बहुत बढ़िया बच्चों! अब नए सत्र में हम विद्यालय आपदा प्रबंधन समिति का गठन करेंगे और कुछ छात्रों को बाल प्रेरक के रूप में चुनेंगे।

अंश: मैडम जी, बाल प्रेरक क्या करेंगे?

मैडम जी: वे विद्यालय में सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाएंगे, खतरों के बारे में सबको बताएंगे और सभी को सतर्क रहने के लिए प्रेरित करेंगे।

सीमा: हम भी जिम्मेदारी से यह कार्य करेंगे।

मैडम जी: यही सच्ची समझदारी है—सतर्क रहना और दूसरों को भी जागरूक करना।

सभी छात्र (एक साथ): "सतर्क रहें, सुरक्षित रहें!"

संदेश: "अपने आस-पास के खतरों की पहचान ही सुरक्षित जीवन की पहली सीढ़ी है।"

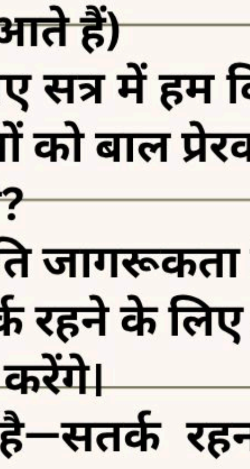

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

"सहपाठी शिक्षण (Peer Teaching) का महत्व"

विद्यालयों में सीखना केवल शिक्षक से ही नहीं होता, बल्कि बच्चे अपने साथियों से भी बहुत कुछ सीखते हैं। जब बच्चे एक-दूसरे को समझाते हैं, चर्चा करते हैं और मिलकर समस्याओं का समाधान करते हैं, तो सीखने की प्रक्रिया अधिक प्रभावी और रोचक बन जाती है। इसी पद्धति को सहपाठी शिक्षण (Peer Teaching) कहा जाता है।

सहपाठी शिक्षण का अर्थ है—बच्चों द्वारा अपने ही सहपाठियों को पढ़ाना या उनकी सहायता करना। इसमें शिक्षक कुछ बच्चों को किसी विषय या गतिविधि को समझाने की जिम्मेदारी देता है, और वे बच्चे अपने साथियों को सरल भाषा में समझाते हैं। यह प्रक्रिया औपचारिक भी हो सकती है और अनौपचारिक भी, जैसे—समूह कार्य, जोड़ी बनाकर पढ़ना या चर्चा करना।

उदाहरण के लिए यदि कक्षा में कुछ बच्चे गणित के किसी प्रश्न को अच्छी तरह समझ चुके हैं, तो शिक्षक उन्हें उन बच्चों के साथ जोड़ सकते हैं जिन्हें कठिनाई हो रही है। जब एक बच्चा दूसरे बच्चे को समझाता है, तो वह अपनी भाषा में, सरल तरीके से समझाता है, जिससे सामने वाले बच्चे को जल्दी समझ आता है। साथ ही, समझाने वाले बच्चे की भी अपनी समझ और मजबूत होती है।

सहपाठी शिक्षण का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह बच्चों में आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास करता है। जब बच्चे अपने साथियों को पढ़ाते हैं, तो उनमें जिम्मेदारी की भावना आती है और वे स्वयं भी अधिक ध्यानपूर्वक सीखते हैं। इसके साथ ही यह पद्धति बच्चों के बीच सहयोग और आपसी समझ को भी बढ़ाती है।

यह पद्धति विशेष रूप से उन कक्षाओं में बहुत उपयोगी है जहाँ बच्चों के सीखने के स्तर अलग-अलग होते हैं। "निपुण बिहार" और Teaching at the Right Level (TaRL) जैसे कार्यक्रमों में भी सहपाठी शिक्षण को एक प्रभावी रणनीति के रूप में अपनाया जाता है, ताकि बच्चे एक-दूसरे की मदद से आगे बढ़ सकें।

सहपाठी शिक्षण को सफल बनाने के लिए शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। शिक्षक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सही बच्चों का चयन हो, उन्हें स्पष्ट निर्देश दिए जाएँ और पूरी प्रक्रिया पर निगरानी रखी जाए। साथ ही यह भी ध्यान रखना चाहिए कि कोई बच्चा हीन भावना का शिकार न हो, बल्कि सभी बच्चे इस प्रक्रिया को सहयोग और सीखने के अवसर के रूप में देखें।

इसके अलावा, सहपाठी शिक्षण कक्षा में सक्रिय अधिगम (Active Learning) को बढ़ावा देता है। जब बच्चे स्वयं पढ़ाने और सीखने में भाग लेते हैं, तो वे अधिक रुचि और उत्साह के साथ सीखते हैं।

अंततः कहा जा सकता है कि सहपाठी शिक्षण एक सरल, प्रभावी और व्यवहारिक शिक्षण पद्धति है। यह न केवल बच्चों की शैक्षणिक उपलब्धि को बढ़ाता है, बल्कि उनके सामाजिक और भावनात्मक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यदि शिक्षक इसे योजनाबद्ध तरीके से अपनाएँ, तो कक्षा का वातावरण अधिक सहयोगपूर्ण और सीखने के अनुकूल बन सकता है।

.................✍️

मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र|बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

"शिक्षक संवर्धन"

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियों की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01 सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में पेरक प्रसंग शामिल है।

हिन्दुस्तान

स्कूली बच्चे देश दुनिया की खबरों से प्रत्येक दिन हो रहे रु-ब-रु

हि विशेष

- चेतना सत्र में बच्चों को दी जा रही जानकारी
- बगहा-2 प्रखंड के दर्जनों स्कूल में एचएम की पहल

प्राथमिक विद्यालय पटेहरा में चेतना सत्र के दौरान बच्चों को जानकारी देतीं शिक्षिकाएं।

बगहा,हमारे संवाददाता। बगहा-2 प्रखंड के सरकारी विद्यालयों में इन दिनों पारंपरिक पढ़ाई के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शिक्षकों व प्रधानाध्यापकों की पहल पर एक दर्जन से अधिक स्कूलों में छात्रों को सामान्य ज्ञान और समसामयिक विषयों की जानकारी देकर उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार किया जा रहा है। चेतना सत्र को अब केवल प्रार्थना तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इसे ज्ञानवर्धक सत्र का रूप दे दिया गया है। प्रतिदिन सुबह चेतना सत्र के दौरान राष्ट्रगीत और प्रार्थना के साथ-साथ उस दिन की तिथि से जुड़ी ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जानकारियां भी विद्यार्थियों को दी जा रही हैं। इससे छात्रों का सामान्य ज्ञान बढ़ रहा है और वे विभिन्न विषयों के प्रति जागरूक हो रहे हैं। प्रधानाध्यापक दयाशंकर साह, प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार, नीतू कुमारी सहित शिक्षको में पिंटू कुमार, शैलेश पासवान, तीरेन्द्र राम सहित दर्जनो ने बताया कि सरकारी विद्यालय किसी भी स्तर पर निजी विद्यालयो से बेहतर है। किताबी ज्ञान के साथ ही साथ व्यवहारिक, प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ समसामयिक ज्ञान से उनको रुबरु कराया जाता है। इसके अलावा चेतना सत्र में ही हर दिन एक साहित्यकार और उनके साहित्य के बारे में भी जानकारी दी जा रही है। शिक्षक छात्रों को प्रमुख कवियों, लेखकों और उनके रचनात्मक योगदान के बारे में बताते हैं। शिक्षकों का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य छात्रों को सिर्फ पाठ्यक्रम तक सीमित न रखकर उन्हें व्यापक ज्ञान देना है, ताकि भविष्य में वे विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। बगहा-2 प्रखंड के कई सरकारी विद्यालयों में चेतना सत्र को अधिक ज्ञानवर्धक और रोचक बनाने की पहल की जा रही है। यहां प्रतिदिन चेतना सत्र के दौरान छात्रों को एक सुविचार के साथ सामान्य ज्ञान के पांच प्रश्न भी पूछे जा रहे हैं। इसके अलावा शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को प्रेरणादायक कहानियां भी सुनाई जा रही हैं, जिससे उनमें नैतिक मूल्यों और सकारात्मक सोच का विकास हो सके। बगहा दो के बीईओ फूदन राम ने बताया कि चेतना सत्र के दौरान बच्चो को समसामयिक ज्ञान के साथ ही साथ कई जानकारियो से रुबरु कराया जाता है।

अनुभाग-8

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 30

"(मैट्रिक के बाद – Beautician & Wellness Course)"

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,,

यदि आपकी रुचि सौंदर्य, स्किन-केयर, हेयर-स्टाइलिंग, मेकअप और पर्सनल ग्रूमिंग में है, तो Beautician & Wellness Course एक तेज़ी से बढ़ता हुआ, कम लागत में शुरू होने वाला और उच्च आय देने वाला करियर विकल्प है। इस कोर्स में फेशियल, हेयर कट/कलर, मेकअप आर्ट, स्किन ट्रीटमेंट, स्पा थेरेपी, नेल आर्ट, ब्राइडल मेकअप आदि का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है। आजकल यह क्षेत्र शहरी ही नहीं, बल्कि बिहार के छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में भी तेजी से विकसित हो रहा है।

अर्हता: न्यूनतम 10वीं उत्तीर्ण; किसी विशेष विषय की अनिवार्यता नहीं।

नामांकन प्रक्रिया:

सरकारी/मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण केंद्रों में डायरेक्ट एडमिशन या स्किल पोर्टल के माध्यम से आवेदन। जानकारी के लिए Ministry of Skill Development and Entrepreneurship – skillindia.gov.in तथा National Skill Development Corporation – nsdcindia.org देखें।

बिहार के प्रमुख सरकारी/अर्ध-सरकारी प्रशिक्षण मंच:

Bihar Skill Development Mission – skillmissionbihar.org

Jan Shikshan Sansthan – jss.gov.in

देश के प्रमुख संस्थान/ट्रेनिंग नेटवर्क:

National Skill Training Institutes

Central Government Skill Centres (PMKVY के अंतर्गत)

कोर्स अवधि: 3 महीने से 1 वर्ष (कोर्स स्तर के अनुसार)।

रोजगार की संभावना:

ब्यूटी पार्लर, सैलून, स्पा, होटल/रिसॉर्ट, फिल्म/फैशन इंडस्ट्री। प्रारंभिक आय ₹10,000–25,000 प्रति माह, अनुभव और विशेषज्ञता के साथ ₹50,000+ तक।

स्व-रोजगार के अवसर:

आप अपना ब्यूटी पार्लर/होम सर्विस शुरू कर सकते हैं, जिसमें कम निवेश में अच्छी कमाई संभव है।

आगे के अवसर: एडवांस मेकअप, कॉस्मेटोलॉजी, स्किन थेरेपी, इंटरनेशनल सर्टिफिकेशन कोर्स।

वित्तीय सहायता: कई कोर्स PMKVY (प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना) के तहत निःशुल्क/कम शुल्क में उपलब्ध हैं। इसके अलावा बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड (drcc.bihar.gov.in) तथा National Scholarship Portal – scholarships.gov.in से सहायता मिल सकती है।

संक्षिप्त सलाह: यदि आप रचनात्मकता, आत्मनिर्भरता और जल्दी आय चाहते हैं, तो Beautician & Wellness कोर्स एक उत्कृष्ट और व्यावहारिक विकल्प है।

अगले पत्र में – इंटरमीडिएट के बाद : B.Com (Bachelor of Commerce)। 📊

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए...!!!

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org